दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:२९४ | मुंबई, मंगलवार १४ अप्रैल २०२६ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

सीमेंट मिक्सर और ईको वैन की भीषण टक्कर में 11 लोगों की मौत

ठाणे : एक दुखद घटना में, सोमवार को ठाणे जिले में एक सीमेंट मिक्सर और एक ईको वैन की आमने-सामने की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा सुबह 1100 से 1130 बजे के बीच रायता गांव के पास नेशनल हाईवे 61 पर हुआ,

जो ठाणे जिले के कल्याण को अहिल्यानगर जिले से जोड़ता है। काली-पीली ईको गाड़ी (नंबर MH-05 GA-0529) मुरबाद के लोगों को लेकर कल्याण जा रही थी। पंजर पुल पार करते समय, वैन दूसरी तरफ से आ रही अशोक लेलैंड की सीमेंट मिक्सर (नंबर MH-12 TV-3660) से टकरा गई। राज्य के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर प्रताप सरनाइक ने कहा, 'इस घटना से पूरे राज्य में दुख फैल गया है और हम सभी मृतकों के परिवारों के दुख में शामिल हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले, यही हमारी भगवान से प्रार्थना है।' ओवरलोडिंग चिंता की बातः मिनिस्टर शुरुआती जानकारी के मुताबिक, जिस गाड़ी की बात हो रही है, उसमें 11 यात्री सवार थे, जबकि उसकी ऑथराइज़्ड कैपेसिटी 5ं1 थी, जो बहुत चिंता की बात है। इस बारे में केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है,' राज्य का मोटर ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट गैर-कानूनी पैसेंजर ट्रांसपोर्ट के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। 'हालांकि, ऐसे हादसों से बचने के लिए नागरिकों के लिए ज़िम्मेदारी से काम करना ज़रूरी है। सरनाइक ने कहा, 'यह एक विनम्र अनुरोध है कि गैर-कानूनी और भीड़भाड़ वाली गाड़ियों में यात्रा करने से बचें, और सुरक्षित और रेगुलर यात्रा को प्राथमिकता दें।' टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि ईको कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे यात्रियों को बचने का कोई मौका नहीं मिला। 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे पास के अस्पताल ले जाया गया।

योगी सरकार के दावों की पोल खुली, नोएडा बना आक्रोश का मैदान

वेतन और हक की लड़ाई ने लिया उग्र रूप, नोएडा में तोड़फोड़ और आगजनी

■ सईद शेख

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार एक बार फिर अपने ही दावों के घेरे में नजर आ रही है। 'सब कुछ ठीक है' की बात करने वाली सरकार के सामने नोएडा की सड़कों पर उभरा यह गुस्सा कई सवाल खड़े कर रहा है। नोएडा के सेक्टर 57, 58 और 59 में हालात अचानक बेकाबू हो गए। निजी कंपनियों के कर्मचारियों का विरोध देखते ही देखते उग्र आंदोलन में बदल गया। महज एक घंटे के भीतर सेक्टर 57 में पचास से ज्यादा कंपनियों और दो सौ से अधिक गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया गया। प्रदर्शनकारी दफ्तरों के अंदर घुस गए, कांच के शीशे तोड़ दिए और पूरा सामान तहस-नहस कर दिया। वहां मौजूद कर्मचारियों में ऐसा डर फैला कि लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। एक कंपनी में आग लगाने की कोशिश ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। सेक्टर 58 में प्रदर्शनकारियों ने जुलूस निकालते हुए कई कारखानों को निशाना बनाया। यहां पथराव और आगजनी की घटनाएं सामने आईं। उपद्रवी अंदर घुसकर तोड़फोड़ करते नजर आए। सेक्टर 59 में भी हालात तनावपूर्ण रहे, जहां पुलिस की गाड़ी के शीशे तोड़ दिए गए और एक कंपनी को आग के हवाले करने की कोशिश की गई।

प्रदर्शनकारियों के हाथों में डंडे और लोहे की छड़ें थीं और वे लगातार पत्थरबाजी कर रहे थे। कई जगहों पर पुलिस को पीछे हटना पड़ा। उपद्रवियों ने कारखानों में लगे निगरानी कैमरे तक तोड़ दिए, ताकि उनकी पहचान न हो सके। स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने सख्त कदम उठाए। सेक्टर 57 और 58 में लाठीचार्ज किया गया, जबकि फेज-2 इलाके में धुंध तोप का इस्तेमाल कर भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की गई। फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस पूरे प्रदर्शन के पीछे कर्मचारियों की कई अहम मांगें हैं। वे न्यूनतम वेतन की गारंटी, समय पर पूरा वेतन, समान काम के लिए समान वेतन और अतिरिक्त समय के काम का दोगुना भुगतान चाहते हैं। इसके अलावा काम के घंटे तय करने, शोषण पर रोक लगाने और भविष्य निधि व कर्मचारी राज्य बीमा जैसी सुविधाएं देने की मांग भी की जा रही है। कर्मचारी रोजगार सुरक्षा, सेवा निवृत्ति पर मिलने वाली राशि, और छंटनी की स्थिति में कानूनी मुआवजे की भी मांग कर रहे हैं। साथ ही असंगठित और गिग कामगारों को सामाजिक सुरक्षा देने, सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने, साप्ताहिक अवकाश और महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षा व्यवस्था व शिकायत निवारण प्रणाली लागू करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई है। फिलहाल इलाके में तनाव बना हुआ है और प्रशासन हालात को काबू में करने में जुटा है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर सच में सब कुछ ठीक है, तो सड़कों पर यह गुस्सा क्यों फूटा? यह घटना न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि श्रमिकों की अनदेखी होती आवाजों की भी गंभीर तस्वीर पेश करती है।

सऊदी अरब ने परमिट के बिना मक्का में एंट्री पर लगाई रोक, उमराह वीजा सस्पेंड

सऊदी अरब ने हज 2026 की तैयारियों के तहत बड़े और सख्त प्रतिबंध लागू कर दिए हैं. इन नियमों के तहत अब मक्का में बिना आधिकारिक हज परमिट के प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है. इसके साथ ही उमराह वीजा भी अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए गए हैं. यह कदम दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक हज को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए उठाया गया है.

जानकारी के मुताबिक यह फैसला हज और उमराह मंत्रालय और सऊदी अरब के आंतरिक मंत्रालय के संयुक्त प्रयासों के तहत लिया गया है. यह फैसला ऐसे समय में आया है जब आने वाले हफ्तों में लाखों तीर्थयात्रियों के आगे की उम्मीद हैं और किंगडम भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा प्रणालियों को बढ़ा रहा है.

अधिकारियों के अनुसार, हर साल लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के इंतजामों को और मजबूत किया जा रहा है. अधिकारियों का कहना है कि ये उपाय तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पवित्र स्थलों पर सुचारू आवाजाही बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी हैं.

मक्का में प्रवेश के नए नियम

13 अप्रैल 2026 से लागू नियमों के अनुसार केवल

वैध हज परमिट रखने वाले लोगों को ही मक्का में प्रवेश की अनुमति होगी. साथ ही मक्का से जुड़े आधिकारिक कार्य या निवास परमिट वाले लोगों को ही प्रवेश मिलेगा. अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि इस अवधि के दौरान पर्यटकों और उमराह तीर्थयात्रियों सहित अन्य सभी वीजा धारकों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा.

सऊदी मीडिया द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने यह निर्णय तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पवित्र स्थलों के भीतर सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया है. मक्का में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा चौकियों को मजबूत कर दिया गया है. सरकार ने मक्का के सभी प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा चेकपॉइंट्स भी बढ़ा दिए हैं, ताकि बिना अनुमति प्रवेश को रोका जा सके.

डिजिटल सिस्टम से निगरानी

सऊदी अरब ने पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल तकनीकों का उपयोग बढ़ाया है. Nusuk app जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए तीर्थयात्रियों की पहचान और परमिट की जांच की जा रही है. अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना, निर्वासन (डिपोर्टेशन) और भविष्य में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है. हज के नजदीक आने के साथ ही सऊदी अरब ने आधिकारिक तौर पर उमराह परमिट निलंबित कर दिए हैं, जो पवित्र स्थलों की तैयारी के लिए एक मानक वार्षिक कदम है.हज की तैयारियों के चलते उमराह से जुड़े महत्वपूर्ण तारीखें भी घोषित कर दी गई हैं

चुनाव की आंधी में हम अंधे नहीं; एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्लीः पश्चिम बंगाल के वोटर लिस्ट विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट र ने सख्त रुख अपनाया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि चुनावी माहौल के शोर और दबाव के बीच सच्चाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 'हम चुनाव की आंधी में अंधे नहीं हो सकते,' यानी फैसले केवल तथ्यों और नियमों के आधार पर ही लिए जाएंगे।

वोट देना सिर्फ अधिकार नहीं, भावनात्मक जुड़ाव भी

अदालत ने कहा कि वोट देना केवल एक संवैधानिक अधिकार नहीं बल्कि लोगों की भावनाओं से भी जुड़ा होता है। अगर किसी व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट से हटता है,

तो यह सिर्फ तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि लोकतंत्र से उसके जुड़ाव को भी प्रभावित करता है।

जस्टिस बागची के अहम सवाल

सुनवाई के दौरान जस्टिस Joymalya Bagchi ने कई गंभीर सवाल उठाएः

'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही क्यों?

अन्य राज्यों में ऐसी स्थिति क्यों नहीं?

चुनाव आयोग अपने पुराने रुख से पीछे क्यों हट रहा है?

ECI से जवाब तलब

कोर्ट ने इलेक्शन कमिशन के बदलते रुख पर सवाल उठाए। पहले आयोग ने कहा था कि 2002 की वोटर लिस्ट में नाम होने पर अतिरिक्त दस्तावेज की जरूरत नहीं है, लेकिन अब इसमें बदलाव देखा जा रहा है।

मजबूत अपील सिस्टम की जरूरत

अदालत ने कहा कि बड़ी संख्या में अपीलें यह दर्शाती हैं कि सिस्टम में खामियां हैं। इसलिए एक मजबूत अपील प्रक्रिया जरूरी है, ताकि प्रभावित लोगों को न्याय मिल सके। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि सभी मामले सीधे सुप्रीम कोर्ट नहीं आ सकते, पहले संबंधित ट्रिब्यूनल में जाना जरूरी है।

निष्कर्षः सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि वोटिंग लोगों की भावनाओं से जुड़ा मुद्दा है चुनावी दबाव में कोई गलत या जल्दबाजी में फैसला नहीं लिया जाएगा यह मामला आने वाले चुनावों से पहले बेहद अहम माना जा रहा है।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

सामाजिक न्याय एवं समानता के पुरोधा पुरुष थे डॉ. अंबेडकर

आधुनिक भारत के निर्माण की जब भी चर्चा होती है, तो डॉ. भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व एक ऐसे विराट स्तंभ के रूप में सामने आता है, जिसने न केवल संविधान की रचना की, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा को समता, न्याय और मानवीय गरिमा के मूल्यों से अनुप्राणित किया। डॉ. अंबेडकर एक प्रसिद्ध राजनीतिक नेता, दार्शनिक, लेखक, अर्थशास्त्री, न्यायविद्, बहु-भाषाविद्, धर्म-दर्शन के विद्वान और एक समाज सुधारक थे, जिन्होंने भारत में अस्पृश्यता और सामाजिक असमानता के उन्मूलन के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया। निश्चित ही वे केवल एक विधिवेत्ता या राजनेता ही नहीं थे, बल्कि एक ऐसे दूरदर्शी चिंतक थे, जिन्होंने भारतीय समाज की गहराई में पैठे जातिगत अन्याय, सामाजिक विषमता और आर्थिक शोषण को समझा और उसके समाधान के लिए ठोस वैचारिक एवं संस्थागत आधार प्रदान किया। आज 'नया भारत', 'विकसित भारत' और 'समृद्ध भारत' की जो अवधारणा हमारे सामने है, उसकी जड़ें अंबेडकर की सोच, नीतियों और संविधान में निहित हैं।

डॉ. अंबेडकर का जीवन स्वयं में एक संघर्षगाथा है। एक अस्पृश्य माने जाने वाले परिवार में जन्म लेकर उन्होंने जो अपमान, भेदभाव और पीड़ा झेली, वही उनके भीतर परिवर्तन का संकल्प बनकर उभरी। उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया और कोलंबिया विश्वविद्यालय तथा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि प्रतिभा किसी जाति या वर्ग की मोहताज नहीं होती। उनका यह विश्वास कि 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' केवल एक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का सूत्र था। अंबेडकर के चिंतन का मूल आधार 'सामाजिक न्याय' था। उनका स्पष्ट मत था कि जब तक समाज में समता स्थापित नहीं होती, तब तक राजनीतिक स्वतंत्रता अधूरी है। वे मानते थे कि केवल आर्थिक विकास से सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होगी, बल्कि इसके लिए सामाजिक संरचना में आमूल-चूल परिवर्तन आवश्यक है। इसी दृष्टि से उन्होंने जाति व्यवस्था को भारतीय समाज का सबसे बड़ा शत्रु माना और उसके उन्मूलन के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनकी प्रसिद्ध कृति 'जाति का विनाश' में उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति केवल सामाजिक विभाजन नहीं, बल्कि मानवता के खिलाफ एक सुनियोजित अन्याय है।

भारतीय संविधान के निर्माण में अंबेडकर की भूमिका उनकी दूरदर्शिता और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता का उत्कृष्ट उदाहरण है। संविधान में उन्होंने समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय के सिद्धांतों को इस प्रकार समाहित किया कि यह दस्तावेज न केवल शासन का आधार बना, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम भी बना। मौलिक अधिकारों, विधि के समक्ष समानता, अस्पृश्यता उन्मूलन (अनुच्छेद १७), आरक्षण व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान उनके उस दृष्टिकोण को दर्शाते हैं, जिसमें हर नागरिक को समान अवसर और गरिमा के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हो।

मीरा भायंदर RTO अधिकारी को 'लॉरेंस बिश्नोई' गैंग की धमकी

रिक्षाचालकों के लिए मराठी अनिवार्यता पर विवाद गहराया, जांच कर्नाटक कनेक्शन की ओर

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदरः रिक्षाचालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य करने के प्रस्ताव पर चल रहा विवाद अब गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। मीरा-भायंदर स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) के अधिकारी प्रसाद नलावड़े को धमकी भरा फोन आने की घटना से प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा हाल ही में यह घोषणा की गई थी कि मुंबई में रिक्षा चलाने के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य होगा और नियम का पालन न करने पर परमिट रद्द किए जा सकते हैं। 'रिक्षाचालकों को मराठी आना जरूरी होगा, अन्यथा उनके परमिट रद्द किए जा सकते हैं,' सरनाईक ने कहा था।

इसी पृष्ठभूमि में नलावड़े को कथित रूप से धमकी दी गई, जिसमें मराठी अनिवार्यता के फैसले पर सवाल उठाए गए। इस मामले में परिवहन विभाग ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस बीच, पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा: 'RTO अधिकारी प्रसाद नलावड़े को धमकी भरा कॉल प्राप्त हुआ है। प्रारंभिक जांच में कॉल का स्रोत कर्नाटक से होने की आशंका है। मामले की गहन जांच जारी है और विस्तृत कार्रवाई के लिए हम कर्नाटक पुलिस की मदद ले रहे हैं।'

उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस और प्रशासनिक एजेंसियों ने संयुक्त रूप से मामले की व्यापक जांच शुरू कर दी है।

इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के हिंदी भाषी प्रकोष्ठ के मुंबई प्रमुख मनीष दुबे ने इस निर्णय का विरोध करते हुए कहा: 'रिक्षाचालक मुंबई की परिवहन व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने कर्ज लेकर वाहन खरीदे हैं और लाखों यात्रियों को सेवा देते हैं। ऐसे में अचानक भाषा की अनिवार्यता थोपना उचित नहीं है।' हालांकि उन्होंने मराठी सीखने का समर्थन करते हुए सरकार से व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की मांग की।

'मराठी सीखने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसके लिए कम से कम छह महीने से एक वर्ष का समय दिया जाना चाहिए। यदि 1 अप्रैल 2027 तक की समयसीमा तय की जाती है तो हम समर्थन करेंगे, लेकिन जल्दबाजी में लिया गया निर्णय स्वीकार्य नहीं होगा,' दुबे ने कहा।

इस पूरे घटनाक्रम ने 'मराठी बनाम गैर-मराठी' बहस को फिर से हवा दे दी है। साथ ही, धमकी के मामले में बाहरी राज्य के कनेक्शन की आशंका ने कानून-व्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी जांच, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (एंड्रे) विश्लेषण और अन्य पहलुओं पर काम कर रही है। प्रशासन ने नागरिकों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है।

'महापौर दिवस' पहल से शिकायतों का त्वरित समाधान, मीरा-भायंदर में नागरिकों को मिली राहत

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदरः नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निवारण के लिए मीरा-भायंदर महानगरपालिका में 'महापौर दिवस' का सफल आयोजन किया गया। यह पहल हर महीने के दूसरे सोमवार को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत सोमवार सुबह महापौर कक्ष में बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखीं।

इस दौरान नागरिकों ने पानी आपूर्ति, स्वच्छता, सड़कें, अतिक्रमण, संपत्ति कर और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत कीं। महापौर डिंपल मेहता सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिकायतें सुनकर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। महापौर डिंपल मेहता ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिकों को एक ही समस्या के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा, 'नागरिक इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुंचाएं। यह पहल पारदर्शिता बढ़ाने और प्रशासन व नागरिकों के बीच संवाद मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगी।'

बैठक में अतिरिक्त आयुक्त प्रियांका राजपूत, उपायुक्त कविता बोरकर, प्रणाली घोंगे, स्वप्नील सावंत, नगररचनाकार पुरूषोत्तम शिंदे, जल विभाग के शरद नानेगावकर, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रकाश बोराडे, मुख्य वैद्यकीय अधिकारी नंदकिशोर लहाने, जनसंपर्क अधिकारी राज घरत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस पहल से नागरिकों को राहत मिलने के साथ ही शिकायत निवारण प्रक्रिया में गति और पारदर्शिता आने की उम्मीद जताई गई है।

टेंडर अलॉट होने के 5 महीने बाद भी 6 स्टेशनों पर नहीं शुरू हुई इमरजेंसी मेडिकल रूम की फैसिलिटी

मुंबईः अक्टूबर 2025 से लेकर दिसंबर 2025 तक मध्य रेलवे के 10 स्टेशनों पर चरणबद्ध तरीके से इमरजेंसी मेडिकल रूम की फैसिलिटी प्रदान करने के लिए टेंडर अलॉट किया गया था, लेकिन अब तक 6 स्टेशनों पर यह फैसिलिटी शुरू नहीं हो सकी है। इनमे से अधिकांश स्टेशनों पर टेंडर अलॉट हुए करीब 5 महीने बीत चुके है, लेकिन अब तक सर्विस शुरू नहीं हो सकी है। मिली जानकारी के अनुसार, यह फैसिलिटी 10 में से सिर्फ 4 स्टेशनों पर शुरू हो पाई है और 6 स्टेशनों पर अब तक अलग-अलग कारणों की वजह से नहीं खुल पाई है। अधिकारी का कहना है कि टेंडर अलॉट होने के बाद, जगह की मरम्मत और सभी फॉर्मेलिटी को पूरी करने के बाद सर्विस शुरू की जाती है।

अलाया की 150 कोशिशों के बाद सही हुआ चुनौतीपूर्ण पोज

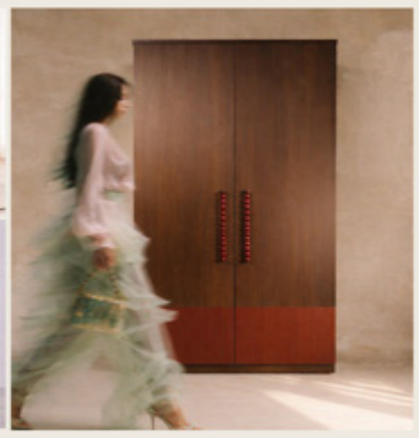

हाल ही में सोशल मीडिया पर फिटनेस आइकॉन अभिनेत्री अलाया एफ ने अपने फैंस के साथ एक बेहद दिलचस्प अनुभव साझा किया है। अभिनत्री अलाया ने खुलासा किया कि इंस्टाग्राम पर देखे गए एक खास और चुनौतीपूर्ण पोज को सही तरीके से करने के लिए उन्हें पूरे 150 बार कोशिश करनी पड़ी। जवानी जानेमन और फ्रेडी जैसी फिल्मों में अपनी पहचान बनाने वाली अलाया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो क्लिप पोस्ट किया, जिसमें वह बार-बार उस पोज को करने की कोशिश करती दिख रही हैं। उन्होंने कैप्शन में अपनी चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि इस एक्सरसाइज के दौरान उनकी कोहनियों के पास की त्वचा छिल गई और उनका बार-बार जी भी मिचलाने लगा। इन कठिनाइयों के बावजूद, उन्होंने हार नहीं मानी और अंततः उस पोज को सफलतापूर्वक कर दिखाया। उनकी यह लगन वाकई प्रेरणादायक है। हालांकि, अलाया ने अपनी इस पोस्ट के जरिए एक बहुत महत्वपूर्ण संदेश भी दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वह किसी को भी अपनी शारीरिक सीमा से ज्यादा पुश करने की सलाह नहीं दे रही हैं।

उन्होंने लिखा, 'मैं यहां यह नहीं कह रही हूं कि शरीर पूरी तरह थक जाए तब भी उसे आगे बढ़ाओ। हर व्यक्ति अलग होता है, इसलिए अपने शरीर की बात हमेशा सुनना बहुत जरूरी है।' इस टिप्पणी के साथ, उन्होंने फिटनेस के प्रति एक जिम्मेदार और सुरक्षित दृष्टिकोण अपनाने की वकालत की। उन्होंने बताया कि फिटनेस में उत्साह और दृढ़ता अच्छी है, लेकिन शरीर की सीमाओं का सम्मान करना और उसकी बात सुनना और भी ज्यादा जरूरी है। अलाया ने आगे जोड़ा कि उनके ट्रेनर्स उन्हें कई नामों से बुलाते हैं, लेकिन उनमें से जिद्दी उनका सबसे पसंदीदा नाम है। उन्होंने अपने टीचर सुनप्रीत सिंह को धन्यवाद भी दिया और लिखा कि वे हमेशा यह ध्यान रखते हैं कि उनकी जिद उनकी सुरक्षा की कीमत पर न आए।

एकता कपूर ने तोड़ीं मिथक, बोलीं- सबसे बोरिंग इंडस्ट्री!

बॉलीवुड की चमक-दमक भरी पार्टियों का जिक्र होते ही दिमाग में शराब, ठुमके, महंगे गिफ्ट्स और रंगीन रातों का ख्याल आता है। लेकिन प्रोड्यूसर एकता कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस धारणा को पूरी तरह झाड़ दिया। उन्होंने साफ कहा कि हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। एकता, जो खुद पार्टियों में कम ही जाती हैं, ने शाहरुख खान और सलमान खान जैसे सुपरस्टार्स की पार्टियों के राज खोले। एकता के मुताबिक, बॉलीवुड पार्टियां बेहद बोरिंग होती हैं। लोग कम खाते-पीते हैं, जल्दी उठ जाते हैं और काम व हेल्थ पर फोकस रखते हैं। 'फिल्म इंडस्ट्री के बारे में ये धारणा कि यहां महंगे गिफ्ट्स बांटे जाते हैं, जमकर शराब पी जाती है और हर वक्त पार्टी चलती रहती है, पूरी तरह गलत है। वास्तव में, इससे ज्यादा बोरिंग इंडस्ट्री दुनिया में कहीं नहीं। फिल्म इंडस्ट्री सबसे बोरिंग है,' उन्होंने जोर देकर कहा।

एकता ने गिफ्ट्स के बारे में भी खुलासा किया। सुपरस्टार्स की पार्टियों में लोग चॉकलेट्स, केक या घरेलू सामान जैसे सिंपल चीजें ले जाते हैं। महंगे गैजेट्स या ज्वेलरी का सीन कम ही होता है। वह खुद सलमान की पार्टी में होममेड चॉकलेट्स लेकर गई थीं। शाहरुख की बर्थडे पर भी कुछ ऐसा ही। एकता बोलीं, 'हमारी जिंदगी कामकाजी है। सुबह चार बजे उठना पड़ता है, इसलिए पार्टियां दो-तीन घंटे में खत्म।'

यह बयान बॉलीवुड के ग्लैमरस इमेज को चुनौती देता है। सितारे बाहर से चमकते हैं, लेकिन अंदर से डिसिप्लिन्ड लाइफ जीते हैं। एकता का यह खुलासा सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जहां फैंस उनकी बात से सहमत हो रहे हैं। कुल मिलाकर, बॉलीवुड पार्टियां हॉलीवुड जैसी नहीं, बल्कि प्रोफेशनल नेटवर्किंग ज्यादा हैं।

महिलाओं की चुप्पी टूटी तो खुला राज़

नाशिक की आईटी कंपनी में संगठित शोषण का बड़ा खुलासा

मुंबई। महाराष्ट्र के नाशिक में एक नामी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी का दफ्तर इन दिनों गंभीर आरोपों के कारण सुर्खियों में है। लगभग दस साल पहले बड़े सपनों के साथ शुरू हुआ यह केंद्र अब विवादों के घेरे में आ गया है। मामला केवल कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार तक सीमित नहीं, बल्कि इसमें उत्पीड़न, धार्मिक दबाव और संगठित शोषण जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं, जिसने पूरे प्रकरण को बेहद संवेदनशील बना दिया है।

घटना की शुरुआत 25 मार्च 2026 को हुई, जब देवळाली कैंप पुलिस थाने में एक युवती ने शिकायत दर्ज कराई। उसने आरोप लगाया कि कंपनी में काम करने के दौरान एक सहकर्मी ने पहले दोस्ती की, फिर प्रेम का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में उसी आधार पर उसे ब्लैकमेल किया गया। युवती ने यह भी बताया कि कुछ टीम लीडर कार्यालय में अनुचित व्यवहार करते थे, गलत तरीके से छूते थे और धार्मिक टिप्पणियां कर उसकी भावनाओं को आहत करते थे। जांच आगे बढ़ी तो यह मामला अकेले एक शिकायत तक सीमित नहीं रहा। कुल सात महिलाओं ने सामने आकर समान आरोप लगाए–अनुचित स्पर्श, अश्लील टिप्पणियां, जबरन नजदीकियां बढ़ाने की कोशिश और मानसिक दबाव। एक पुरुष कर्मचारी ने भी आरोप लगाया कि उस पर जबरन धार्मिक आचरण अपनाने और जीवनशैली बदलने का दबाव बनाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त स्तर पर विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया। महिला पुलिसकर्मियों की एक टीम ने भेष बदलकर कंपनी में प्रवेश किया और कई दिनों तक अंदर की गतिविधियों पर नजर रखी। जांच के दौरान कई संदिग्ध गतिविधियां सामने आईं, जिनमें कर्मचारियों के साथ अनुचित व्यवहार और दबाव बनाने के तरीके शामिल थे। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कई आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज किए और कुछ को हिरासत में भी लिया। पीड़ितों का आरोप है कि उन्होंने पहले भी कंपनी प्रबंधन से शिकायत की थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा शिकायत करने वालों पर ही दबाव बढ़ा दिया गया। अब जांच के दायरे में कंपनी के कुछ वरिष्ठ अधिकारी भी आ सकते हैं।

इस पूरे मामले पर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं कंपनी ने भी आरोपों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कर्मचारियों को निलंबित कर जांच में सहयोग करने की बात कही है। फिलहाल यह मामला केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कार्यस्थलों पर सुरक्षा, महिलाओं की गरिमा और कर्मचारियों के अधिकारों को लेकर बड़े सवाल खड़े कर रहा है। जांच जारी है, और आने वाले दिनों में इस मामले में और भी खुलासे होने की संभावना है।

डॉ.आंबेडकर स्मारक में देरी पर भड़का जनाक्रोश, उग्र आंदोलन की चांदूर रेलवे में तैयारी

अमरावती। जिले के चांदूर रेलवे में डॉ. भीमराव आंबेडकर के स्मारक को लेकर वर्षों से लंबित मांग अब आंदोलन का रूप लेने जा रही है। स्थानीय

'प्रतिमा सभागार एवं स्मारक उद्यान निर्माण क्रिया समिति' ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो तीव्र आंदोलन छेड़ा जाएगा। समिति के अध्यक्ष उत्तमराव गवई ने बताया कि चांदूर रेलवे में बाबासाहेब आंबेडकर के पुतले के साथ सभागार और स्मारक उद्यान निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है। इसके लिए संबंधित जमीन की उपलब्धता और योजना को लेकर कई बार नगर परिषद और प्रशासन से संपर्क किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसी कारण स्थानीय नागरिकों में गहरा असंतोष पनप रहा है। समिति का कहना है कि यह स्मारक केवल एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि डॉ. आंबेडकर के विचारों को समाज और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के चलते यह योजना वर्षों से ठंडे बस्ते में पड़ी है। इस मुद्दे को लेकर बड़े नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है, जिनमें चंद्रशेखर बावनकुले, रवींद्र चव्हाण और नितिन गडकरी शामिल हैं। इससे साफ है कि आंदोलन को व्यापक समर्थन मिलने की संभावना है।

कृति समिति ने प्रशासन को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि जल्द ही जमीन उपलब्ध कराकर स्मारक निर्माण का रास्ता साफ नहीं किया गया, तो धरना, अनशन और अन्य लोकतांत्रिक माध्यमों से आंदोलन तेज किया जाएगा। स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न पदाधिकारियों ने भी इस आंदोलन को समर्थन दिया है। पत्रकार परिषद में प्रशासन से मांग की गई कि वह जल्द सकारात्मक निर्णय लेकर स्थिति को संभाले, अन्यथा यह मुद्दा और उग्र हो सकता है।

छोटी सी कहासुनी बनी जानलेवाः शराबी कार चालक की दबंगई, बस चालक की दर्दनाक मौत

मुन्ना मुजावर

पुणेः नशे में धुत एक ड्राइवर ने मामूली झगड़े में अपनी मोटरसाइकिल से पैसेंजर ले जा रही एक प्राइवेट बस के ड्राइवर को टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल की टक्कर में बस ड्राइवर की मौत की यह चौंकाने वाली घटना

हड़पसर-सासवड रोड पर उरली देवाची इलाके में हुई।

मृतक बस ड्राइवर की पहचान सागर बालासाहेब सैकर (निवासी शेवालवाड़ी, हड़पसर) के रूप में हुई है। इस मामले में ड्राइवर कृष्ण गोपाल कोइलवाड़ (उम्र 30, निवासी बोथरी, जिला लातूर) के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। विजय तानाजी शिर्के (उम्र 41, निवासी सतववाड़ी, हड़पसर) ने इस बारे में पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शिर्के और सैकर पैसेंजर ले जाने वाली एक प्राइवेट बस में ड्राइवर के तौर पर काम करते हैं। वे रविवार आधी रात को सासवड रोड पर वडकी नाला इलाके से महिलाओं को दो बसों में लेकर देवदर्शन के लिए अक्कलकोट ले जाने वाले थे। रात के करीब 12:30 बजे, हड़पसर-सासवड़ रोड पर एक मोटरबाइक सड़क पर आ गई। मोटरबाइक वाले ने बस को आगे बढ़ने के लिए जगह नहीं दी। इसलिए साईकर ने मोटरबाइक वाले कोइलवाड़ से पूछा। साईकर ने बस को सड़क के किनारे रोक दिया और मोटरबाइक वाले कोइलवाड़ से पूछा। उस समय अभिजीत जमदाड़े वहीं थे। नशे में धुत मोटरबाइक वाले कोइलवाड़ ने उन्हें गालियां दीं और साईकर को कुचल दिया। कार से टक्कर लगने के बाद, उसने साईकर को कुचल दिया। साईकर कार का बोनट पकड़े हुए था। ब्रेक लगाने पर साईकर सड़क पर गिर गया। ऐसे में, मोटरबाइक वाले कोइलवाड़ ने बिना सोचे-समझे उसे फिर से कुचल दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल साईकर को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज से पहले ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद भागे मोटरबाइक वाले की तलाश जारी है, और पुलिस सब-इंस्पेक्टर जाधव जांच कर रहे हैं।

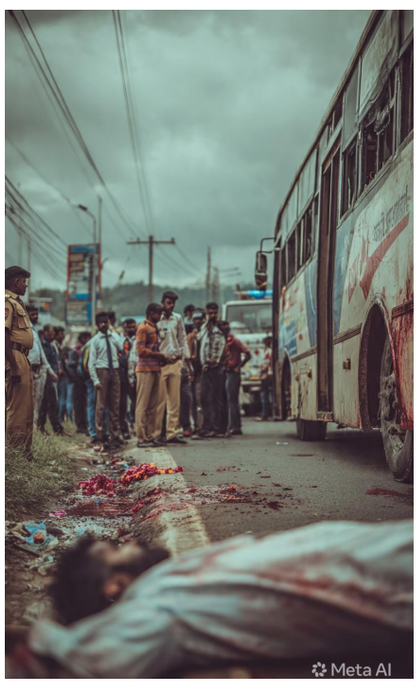

सड़क पर झगड़े जानलेवा

शहर में ड्राइवरों के बीच छोटे-मोटे झगड़ों की घटनाएं बढ़ गई हैं। दो साल पहले, हड़पसर इलाके में एक गैंग ने छोटे-मोटे झगड़े में एक गाड़ी वाले की धारदार हथियार से हत्या कर दी थी। लश्कर इलाके में, श्री छत्रपति शिवाजी मार्केट के पास एक पतली गली में गाड़ी को धक्का देने पर एक गैंग ने दोपहिया सवार को पीटा। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। एक घटना ऐसी भी हुई जब बानेर-पाषाण लिंक रोड पर एक गाड़ी वाले ने दोपहिया वाहन पर सवार एक युवती को पीटा। छोटे-मोटे झगड़ों पर लड़ाई-झगड़े की घटनाएं आम हो गई हैं।

नायगाव खाड़ी किनारे अवैध शराब भट्टियों पर छापा, लाखों का माल नष्ट; 4 आरोपी गिरफ्तार

नजमुल हसन रिज़वी

वसईः मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट 2 वसई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नायगांव पुलिस थाना क्षेत्र में मालजीपाड़ा खाड़ी किनारे अवैध देसी शराब बनाने वाली भट्टियों का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में लाखों रुपये का अवैध माल जब्त कर मौके पर ही नष्ट कर दिया गया तथा 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मुंबई-अहमदाबाद हाईवे स्थित वासमारे ब्रिज के पास, राधाकृष्ण यदुवंशी होटल के समीप कांदळवन क्षेत्र में कुछ लोग अवैध रूप से शराब निर्माण कर रहे हैं। सूचना के आधार पर 11 अप्रैल 2026 को छापेमारी की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान समीर पाटील (उर्फ सनी), अजय कुमार चौधरी (28), विश्राम चौधरी (41) और रामचंद्र उर्फ दुखी चौधरी (35) के रूप में हुई है। इनमें से तीन आरोपी समीर पाटिल द्वारा निर्मित झोपड़ी में रहकर यह अवैध गतिविधि संचालित कर रहे थे।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने 7,400 लीटर वॉश, 145 लीटर तैयार देसी शराब तथा शराब निर्माण के उपकरण जब्त किए। कुल मिलाकर करीब ₹4.78 लाख मूल्य का माल बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस मामले में नायगाव पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र दारूबंदी अधिनियम, 1949 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार एक्शन मोड में

पुणे पुलिस ने 10 लोगों को किया तड़ीपार

मुन्ना मुजावर

पुलिस उपायुक्त सोमाय मुंडे ने पुणे शहर और जिले से दस ऐसे गैंगस्टरों को निर्वासित करने का आदेश दिया है, जिन्होंने गंभीर अपराध किए हैं। उन पर गांव में शराब बेचने, जुआ खेलने और अन्य गंभीर अपराधों के आरोप हैं।

निर्वासित किए गए लोगों में अभिजीत संजय जाधव (उम्र 29), साईनाथ विट्ठल पटोले (उम्र 27), अविनाश मुरलीधर मेटे (उम्र 36), गगन तानाजी शिंदे (उम्र 24), संकेत अमोल बंदल (उम्र 27), मच्छिन्द्र शंकर पवार (उम्र 38), सचिन भीमराव मातंग (उम्र 25), आदित्य बापू शिंदे (उम्र 25), बीरा रामदास श्रीराम (उम्र 38) और मालती संतोष मल्के (उम्र) शामिल हैं। 45). इन आरोपियों के खिलाफ चंदननगर, लोनीकंद और वाघोली पुलिस स्टेशनों में गंभीर मामले दर्ज हैं। इन गुंडों को देश निकाला देने का प्रस्ताव तैयार किया गया, जिसके बाद उपायुक्त मुंडे ने यह आदेश दिया.

पुणे पुलिस जोन 7 में लोनिकंद, वाघोळी, खराड़ी, चंदननगर, लोहेगांव, एयरपोर्ट और येरवडा पुलिस स्टेशन शामिल हैं। पिछले कुछ महीनों में पुलिस ने इस जोन से 100 गुंडों को खदेड़ने का आदेश दिया है। पुलिस

ने नागरिकों से अपील की है कि यदि वे खदेड़े गए गुंडों को शहर में देखें तो नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें। इसी बीच, पुणे शहर के धनकावाड़ी इलाके में आतंक मचाने वाले एक गुंडे के खिलाफ झुग्गी-झोपड़ी निवारण अधिनियम (एमपीडीए) के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने इस कार्रवाई का आदेश दिया है और तदनुसार, गुंडे को एक साल के लिए यवतमाल जेल में भेज दिया गया है।

जिस गुंडे के खिलाफ कार्रवाई की गई है, उसका नाम रोहन राजेंद्र रोंगे (उम्र 21 वर्ष, निवासी गोविंदराव पाटिलनगर, धनकावाड़ी) है। रोंगे के खिलाफ सहकारनगर पुलिस स्टेशन में गंभीर मामले दर्ज हैं। पहले भी उसके खिलाफ निवारक कार्रवाई की गई थी, लेकिन उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। सहकारनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विट्ठल पवार ने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजेश बंसोडे और उपायुक्त मिलिंद मोहिते को रोंगे के खिलाफ एमपीडीए (पुलिस विभाग) की कार्रवाई का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार द्वारा इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद रोंगे को यवतमाल जेल भेज दिया गया।

बेलोरा में डॉ. आंबेडकर जयंती बनी जनसेवा का पर्व, युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

लोणी। नांदगांव खंडेश्वर तहसील के बेलोरा विमानतल क्षेत्र में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसे सामाजिक जिम्मेदारी और मानवता के संदेश के रूप में जीवंत किया गया। तालुका कांग्रेस कमेटी की पहल पर बुद्ध विहार परिसर में आयोजित भव्य रक्तदान शिविर में युवाओं और नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया। पूर्व विधायक वीरेंद्र जगताप की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। उन्होंने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के लिए निस्वार्थ योगदान ही बाबासाहेब के विचारों की सच्ची श्रद्धांजलि है। इस पूरे आयोजन में सुशील थोरात ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए सामाजिक सरोकारों को मजबूती दी, जबकि पूर्व सरपंच दीपक सवई के सहयोग से कार्यक्रम को व्यापक सफलता मिली। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति ने इसे जनआंदोलन का स्वरूप दे दिया। प्रकाश पाटील सोलंके, समीर पाटील, सर्फराज खान, रमेश ठाकरे, प्रविण मोखळे, धनंजय मोहोड, बबलु आडे, प्रमोद काळे, अलीम चाऊस, दिगांबर हिरोडे, शिवाजी चव्हाण, रुपराव राऊत, अमोल चक्रे, गोलू मेटे, प्रविण वसुकर, चेतन तायडे, रमेश घुगरे, देवानंद सवई, विलास दामोदरे, अमोल पाटेकर, निशांत गवई, अथर्व पाटील, ऋषिकेश चक्रे, नितीन सवई, अशोक शिवरकर, नयन सवई, अर्पित लोणारे, प्रथमेश गोले, प्रमोद नाईक, सुशील नाईक सहित अनेक लोगों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

कार्यक्रम की सफलता में पत्रकार संघदीप घुगरे का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके साथ ही राहुल बाल नवयुवक मंडल, बेलोरा विमानतल के युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने अथक मेहनत कर इस आयोजन को यादगार बना दिया। यह रक्तदान शिविर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रति जागरूकता, एकता और मानवता का सशक्त संदेश बनकर उभरा–जहां बाबासाहेब के विचार सिर्फ मंच तक नहीं, बल्कि लोगों के कर्मों में नजर आए।

रूहानी माहौल में हज यात्रियों को विदाई, खुद्दम-ए-हज्जाज कमिटी का भव्य अलविदाई जलसा

मुन्ना मुजावर

पवित्र हज यात्रा पर रवाना होने वाले जायरीन के सम्मान में खुद्दम-ए-हज्जाज कमिटी की ओर से एक भव्य और भावुक अलविदाई जलसा आयोजित

किया गया। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह इबादत, अकीदत और रूहानी जज़्बे से सराबोर नजर आया, जहां हर शख्स की जुबान पर दुआ और दिल में एक खास एहसास था।

इस खास मौके पर हज कमिटी के पूर्व चेयरमैन इब्राहिम भाईजान, नगरसेवक रफीक भाई शेख, आझम कैंपस की आबेदा इनामदार, एन. वाय. काज़ी और आयोजक रियाज भाई काज़ी समेत कई गणमान्य शख्सियतें मौजूद रहीं। सभी अतिथियों ने हज यात्रियों को दिल से मुबारकबाद देते हुए उनके मुकद्दस सफर के लिए दुआएं पेश कीं।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने हज की अहमियत और उसकी रूहानी ताकत पर विस्तार से रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि हज केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि इंसान की जिंदगी को नई दिशा देने वाला सबसे बड़ा इबादत का मौका है। साथ ही यात्रियों को जिम्मेदारी, सब्र और अनुशासन के साथ इस पवित्र सफर को पूरा करने की नसीहत भी दी गई। जलसे में एक भावुक माहौल देखने को मिला, जहां विदाई की हल्की उदासी के साथ अल्लाह के घर जाने की खुशी भी साफ झलक रही थी। अंत में सभी हज यात्रियों को फूलों और दुआओं के साथ रुख्सत किया गया तथा उनकी सलामती, कामयाबी और हज के कबूल होने की दुआ की गई।

पुणे में 'दैवीय शक्ति' के नाम पर बड़ा खेल! 5 साल तक महिला से 50 लाख की ठगी, स्वारगेट में केस दर्ज

मुन्ना मुजावर

नासिक में अशोक खरात और पुणे में ऋषिकेश वैद्य के मामले अभी ताजा ही हैं, लेकिन पुणे में एक और घटना सामने आई है जिसने मानवता को कलंकित कर दिया है। 43 वर्षीय औदुंबर मनोहर गाडे (निवासीः ताराटगांव, पंढरपुर) नामक एक धोखेबाज ने खुद को दैवीय शक्ति का पात्र बताकर पिछले पांच वर्षों से एक 42 वर्षीय महिला का लगातार यौन शोषण किया। उसने न केवल महिला को शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया, बल्कि पारिवारिक विवाद सुलझाने के नाम पर उससे 50 लाख 55 हजार रुपये की ठगी भी की।

जांच एवं कानूनी कार्रवाई

अपने साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास होने पर महिला स्वारगेट पुलिस स्टेशन पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने औदुंबर गाडे के खिलाफ बलात्कार और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस सब-इंस्पेक्टर पाटिल मामले की आगे जांच कर रहे हैं।

इस अपराध का दायरा क्या है?

इस मामले में आरोपी ने न केवल बलात्कार (धारा 376) किया है बल्कि धोखाधड़ी (धारा 420) का गंभीर अपराध भी किया है।

व्याख्यात्मक प्रश्न - कानून क्या कहता है?

किसी को भी दैवीय शक्तियों का दावा करके धोखा देना जादू टोना निवारण अधिनियम (2013) के तहत एक गंभीर अपराध है, जिसमें कठोर कारावास का प्रावधान है।

यदि कोई व्यक्ति किसी दैवीय चमत्कार का दावा करता है और पैसे या शारीरिक सुख की मांग करता है, तो तुरंत पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

रात की शिफ्ट में सोने को लेकर हुए विवाद पर सुरक्षा गार्ड की गला घोंटकर हत्या - खराड़ी पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

मुन्ना मुजावर

पुणेः खराडी इलाके में एक सोसाइटी में नाइट शिफ्ट में सोने को लेकर हुए झगड़े में एक सिक्योरिटी गार्ड की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। खराडी पुलिस ने इस मामले में एक जवान सिक्योरिटी गार्ड को गिरफ्तार किया है। जिस सिक्योरिटी गार्ड की हत्या हुई है, उसकी पहचान पांडुरंग भाऊराव हरवाने (उम्र 52, निवासी मंजरी बुद्रुक) के तौर पर हुई है। इस मामले में सुदर्शन माणिक काले (उम्र 22, निवासी तुलजाभवानीनगर, खराडी) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की दी गई जानकारी के मुताबिक, पांडुरंग हरवाने और सुदर्शन काले खराडी की स्पैनोलाइफ सोसाइटी में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं। हरवाने और काले शनिवार को नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे। काले आठ से नौ महीने से सोसाइटी में काम कर रहा था। हरवाने ने कुछ महीने पहले नौकरी छोड़ दी थी। उसके बाद वह काम पर वापस आ गया था। शनिवार को नाइट शिफ्ट में दो लोग थे। दोनों ने काम बांट लिया था। उन्होंने आधी रात से सुबह 6 बजे के बीच तीन घंटे सोने का फैसला किया था। उनमें इस बात पर बहस हुई कि पहले कौन सोएगा। काले ने हरवाने के गले में फंदा (सिर पर लपेटने वाली चीज़) डालकर उसका गला घोंट दिया। हरवाने बेहोश हो गया। इसके बाद डरे हुए काले ने पुलिस कंट्रोल रूम को घटना की जानकारी दी। पुलिस मौके पर गई। बेहोश हरवाने को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज से पहले ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर काले को गिरफ्तार कर लिया।

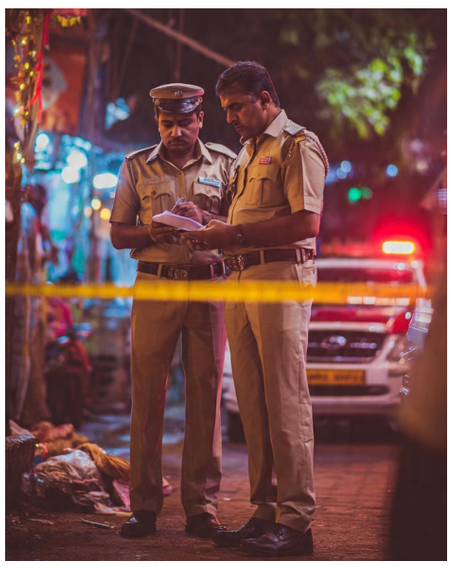

मुंबई में वर्ल्ड मेमन डे महा एक्जिबिशन के साथ जोश-और-खरोश के साथ अनोखे अंदाज में मनाया गया।

एक्जिबिशन का उद्घाटन डॉक्टर जहीर काजी और एडवोकेट युसुफ अब्राहनी के हाथों से किया गया।

संवाददाता शोएब म्यानुर मुंबई

मुंबई के साबु सिद्दीक कॉलेज के ग्राउंड में तारीख 11 अप्रैल 2026 को वर्ल्ड मेमन डे के पूरनुर मौके पर ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन ने ग्रेस नेटवर्क के मिलकर एक महा एक्जिबिशन का

इंतेजाम किया एक्जिबिशन का उद्घाटन चिफ गेस्ट डॉक्टर जहीर काजी और गेस्ट ऑफ ऑनर एडवोकेट युसुफ अब्राहनी के हाथों से रिबीन काट कर किया गया।

इस मौके पर महेमानों में युके वूस्टर लंडन से ग्रिहम लंडन, ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के एक्स प्रेसिडेंट डॉक्टर नाशीर फुलारा, निजामुद्दीन राईन, कमाल मांडलेकर, महेमुद हाकीमी, इमरान अल्वी, मतीन खान, मुंब्रा समाचार के अनवर नुरी, डॉक्टर कृष्ण कांत ढेबरी, ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफिसर, सेक्रेटरी अब्दुल अजीज भाई मच्छीवाला, युथ विंग चेयरमैन इमरान फ्रुटवाला, सिनियर वाईस प्रेसिडेंट सोहैल खंडवानी, जोइंट सेक्रेटरी युसुफ भाई मल्कानी, वाईस प्रेसिडेंट इल्यास भा कापडीया सुरत, स्पोर्ट्स विंग चेयरमैन आशीफ अबाजुमा, लेडिज विंग चेयरपर्सन रजिया बाई चश्मावाला, मेरेज ब्यूरो कन्वेनर नशीमा बाई सुरती, अशमा कपाडीया, शिनीन सुरती, समेत कई सारे सोश्यल इंफ्लुएंसर, सोश्यल एक्टिविस्ट, मौजूद रहे।

प्रोग्राम का आगाज़ कुरान शरीफ की तीलावत से किया गया।

बाद में निजामुद्दीन राईन और इमरान फ्रुटवाला ने निजामत के फराईज को अंजाम दिया। इस महा एक्जिबिशन को ग्रेस नेटवर्क के तारीक मेमन और उनकी पुरी टीम ने बखूबी अंजाम दिया और पुरा एक्जिबिशन तैयार करवाया।

इस खास मौके पर फाइन टच दीनीयाती तालीम इदारे के नाबीना बच्चों ने बिना देखे कुरान शरीफ की तिलावत कर सभी को प्रभावित किया। और अपनी काबिलियत से यह बताया कि वे नाबीना होते हुए भी कीस तरहां कुरान शरीफ पढ़ सकते हैं जिसने सभी का दिल जीत लिया।

बाद में लेडिज विंग चेयरपर्सन रजिया बाई चश्मावाला ने अपने खयालात पेस किए। ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन और इकबाल मेमन ऑफिसर के बारे में रोशनी डाली, प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफिसर ने अपने तासुरात में बताया कि वर्ल्ड मेमन डे पुरी दुनिया में मनाया जाता है आज इस दिन में दुनिया भर में मेमन कॉम्युनिटी एक प्लेटफॉर्म पर आकर गरिबों की मदद करते हैं, भलाईयत कामों को अंजाम देते हैं। साथ उन्होंने मालेगांव, भुसावल, जलगांव की कॉलेज और स्कुल के बारे जानकारी देते हुए ताउन के लिए भी अपील की। वहीं इमरान फ्रुटवाला ने ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के कामों के बारे में रोशनी डाली और युथ विंग कीस तरहां कामों को अंजाम देती है साथ में युथ विंग की 145 प्लस टीम देश भर में बन चुकी है और 100 से भी ज्यादा टीमों ने मुख्तलिफ शहरों में वर्ल्ड मेमन डे को सेलिब्रेट किया है कहीं पर मेडिकल चेक अप केंप, तो कहीं पर ब्लड डोनेशन कैंप, तो कहीं पर यतीमखाना के बच्चों को खाना खिलाने जैसे कामों को अंजाम दिया गया। डॉक्टर जहीर काजी ने भी वर्ल्ड मेमन डे की मुबारक बादी देते हुए बताया कि मेमन कॉम्युनिटी में जिस तरह इकबाल मेमन ऑफिसर चेरिटी के कामों को अंजाम दे रहे हैं साथ में एज्युकेशन में आगे आ रहे हैं ये बहुत बड़ा कदम उठाया है। पुरी दुनिया में वर्ल्ड मेमन डे के दिन मेमन कॉम्युनिटी एक प्लेटफॉर्म पर एक साथ मिलकर गेट-टुगेदर कर रहे हैं ये बड़ी मिसाल है। प्रोग्राम में आए हुए सभी महेमानों का शोल पहेनाकर इस्तकबाल किया गया बाद में ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन की पुरी टीम ने गुब्बारे उड़ाए गए और दुनिया भर की मेमन कम्युनिटी के साथ-साथ सभी कॉम्युनिटी के लोगों को वर्ल्ड मेमन डे की मुबारकबाद पेश की गई। इसी के साथ यह प्रोग्राम बेहद शानदार और कामयाब अंदाज़ में अपने इख्तिताम को पहुँचा।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)